1ST RANK IN UP BY SANSKRITI SCHOOL OF TOURISM AND HOSPITALITY

SANSKRITI UNIVERSITY AWARDED STUDENT DIVERSITY & YOUNG UNIVERSITY IN INFRASTRUCTURE & RESEARCH

SANSKRITI UNIVERSITY FOR EXCELLENCE IN LIFE

SANSKRITI UNIVERSITY
FOR EXCELLENCE IN LIFE
Established Under Section 2(f) of UGC Act, 1956

6TH RANK IN UP BY SANSKRITI SCHOOL OF ENGINEERING AND TECHNOLOGY

RANKED AMONG TOP 15TH UNIVERSITIES IN INDIA BY INDIA TODAY ASPIRE SANSKRITI UNIVERSITY

राष्ट्र निर्माण के लिए विद्यार्थी उद्यमी बनने का संकल्प लें: गर्ग

सपने देखें पर उनको पूरा करने के लिए परिश्रम भी करे: सचिन गुप्ता

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं उप्र व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष रविकांत गर्ग ने संस्कृति विवि के विद्यार्थियों में जोश भरते हुए कहा कि हमारे लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी देश को आत्म निर्भर बनाने के लिए जुटे हैं, विद्यार्थी उद्यमी बनें और स्वयं आत्मनिर्भर बनकर देश को आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लें तो यह लक्ष्य जल्द पूरा हो जाएगा।

उप्र सरकार में पूर्व मंत्री रहे रविकांत गर्ग ने कहा कि किसी भी संस्था के लिए उसका स्थापना दिवस बहुत महत्वपूर्ण होता है। विद्यार्थियों के लिए यह खुशियां मनाने वाला दिन है। आप खुशियां मनाएं लेकिन यह भी न भूलें कि आप देश का भविष्य हैं और अपने देश

मुख्य अतिथि उप्र व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष रविकांत गर्ग संस्कृति विवि के कुलाधिपति सचिन गुप्ता को स्थापना दिवस समारोह में अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासभा की ओर से 'मथुरा रत्न' की उपाधि से सम्मानित करते हुए। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए।

को ऊंचाइयों तक ले जाना आपकी जिम्मेदारी है, इसलिए आज के दिन आप अपना एक लक्ष्य निर्धारित करें और उसको पाने के लिए कठोर परिश्रम करें। आप भाग्यशाली हैं जो शिक्षा के साथ भारतीय संस्कृति के संस्कार देने वाले संस्कृति विवि के विद्यार्थी हैं। भविष्य में आपको नौकरी के लिए नहीं भटकना है बल्कि नौकरी देने वाला बनने के प्रयास करने हैं। हमारे प्रधानमंत्री मोदीजी कहते हैं कि भारत जल्दी ही पांच ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्ता का लक्ष्य हासिल कर लेगा। मैं कहता हूं कि जिस गति से भारत विश्व की अर्थव्यवस्था में तेजी से दखल बढ़ा रहा है, उसको देखकर लगता है कि आने वाले कुछ दशकों में ही भारत 25 ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

संस्कृति विवि के कुलाधिपति सचिन गुप्ता ने सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों को संस्कृति विवि के स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि हम अपने विवि में विद्यार्थियों की विश्वस्तरीय और आधुनिक शिक्षा के लिए हर जरूरत को पूरा कर रहे हैं। हम नहीं चाहते कि हमारे देश का कोई विद्यार्थी ज्ञान के किसी क्षेत्र में सुविधाओं, साधन की कमी के कारण पीछे रहे। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपनी क्षमता और योग्यता को पहचान कर आगे बढ़ना चाहिए। मेरा विद्यार्थियों से कहना है कि अपने आप को पहचानिए और अपना रास्ता बनाइए। जिस मदद की आवश्यकता हो आगे बढ़कर मांगनी चाहिए। बिल गेट्स ने 12 वर्ष में एचपी के सीईओ से मदद मांगी और उन्हें वो मिल गई। बाद में वे स्वयं सबकी मदद वाले बन गए। इसलिए आप भी अपनी क्षमताओं को पहचानें और स्वयं वा देश दोनों को ऊंचाईयों पर पहुंचाएं।

संस्कृति विवि के कुलपति ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि संस्कृति विवि कुलाधिपति डा. सचिन गुप्ता की एक बड़ी सोच के साथ काम कर रहा है और एक दिन अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इसकी एक पहचान होगी। उन्होंने कहा कि विवि के शिक्षकों पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है आज इस मौके पर उन्हें संकल्प लेना है कि वे ऐसे विद्यार्थी तैयार करेंगे जो भारत का भविष्य बनाएंगे। संस्कृति स्कूल आफ एग्रीकल्चर के डीन डा. रजनीश त्यागी ने सबको स्थापना दिवस की बधाई देते हुए विद्यार्थियों से कहा कि इस दिवस को आप जन्मदिवस की तरह मनाएंगे। इसका वैसा ही महत्व है जैसे आपके स्वयं के जन्मदिन का। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। कार्यक्रम का कुशल संचालन संस्कृति ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की अनुजा गुप्ता और शिक्षिका डा. दिव्या ने किया। कार्यक्रम के दौरान विवि के कुलपति डा. तन्मय गोस्वामी, विशेष कार्याधिकारी श्रीमती मीनाक्षी शर्मा और डा. रजनीश त्यागी को भी सम्मानित किया गया।

******

संस्कृति विवि का स्थापना दिवस समारोह

संस्कृति विवि के स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं उप्र व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष रविकांत गर्ग सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप जलाकर समारोह का शुभारंभ करते हुए।

शिक्षक ही विद्यार्थी को समाज के योग्य बनाता है

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय और संस्कृति आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज में शिक्षक दिवस विभिन्न कार्यक्रमों के साथ समाज में शिक्षकों की भूमिका पर उपयोगी वक्तव्य दिए गए। जहां एक ओर शिक्षकों ने इस उन्मुक्त होकर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं वहीं अपने कर्तव्यों के प्रति गंभीरता बरतने का संकल्प भी लिया। संस्कृति विश्वविद्यालय के सभागार में विवि के चांसलर सचिन गुप्ता ने सभी शिक्षकों को बधाई देते हुए उनके कर्तव्यों का बोध कराया साथ ही देश के भविष्य के निर्माण में उनकी भूमिका पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एक अच्छा शिक्षक ही विद्यार्थियों का सम्मान पाता है और विद्यार्थियों को उनका लक्ष्य हासिल करा पाता है। इस मौके पर स्कूल आफ फैशन डिजाइनिंग की असिस्टेंट प्रोफेसर मोनिका खत्री, असिस्टेंट प्रोफेसर अंजली, स्कूल आफ नर्सिंग की असिस्टेंट प्रोफेसर श्रिष्ठी ने एकल नृत्य, स्कूल आफ इंजीनियरिंग की शिक्षका डा. रेनू, स्कूल आफ जूलोजी की डा. अमिता वर्मा ने अपने गीतों से अपनी अतिरिक्त प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वहीं स्कूल आफ जूलोजी की डा. नीलम कुमारी, स्कूल आफ नर्सिंग की शिक्षका साक्षी, नर्सिंग स्कूल के प्राचार्य डा. केके पाराशर, स्कूल आफ एग्रीकल्चर के विभागाध्यक्ष डा. रामपाल ने अपनी कविताओं से लोगों को खूब गुदगुदाया। कैमिस्ट्री विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. गोपाल अरोरा ने अपने वक्तव्य में शिक्षकों के कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान विवि की विशेष कार्याधिकारी श्रीमती मीनाक्षी शर्मा, कुलपति डा. तन्मय गोस्वामी वा डीन एकेडमिक भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन अनुजा गुप्ता ने किया। उधर संस्कृति मेडिकल कालेज एंड हास्पिटल में 'हमारे दैनिक जीवन में शिक्षक की भूमिका' विषय को लेकर एक व्याख्यान माला आयोजित की गई। इसमें मुंबई के इंस्टीट्यूट आफ साइंस एंड रिलीजन के उपाध्यक्ष सीआर शेषाद्रि ने कहा कि शिक्षक ही मानव जीवन संवारता है। एक शिक्षक ही किसी मनुष्य के अंदर मौजूद अंतर्निहित शक्ति को उभार कर समाज में सर्वश्रेष्ठ योगदान के लिए उसे तैयार करता है। अपने क्षेत्र के लिए विशेष योगदान करने वाले सचिन तेंदुलकर, लता मंगेशकर, जाकिर हुसैन जैसे लोगों को सक्षम बनाने में शिक्षक ने ही अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संस्कृति मेडिकल कालेज एंड हास्पिटल के प्राचार्य प्रो. सुजित कुमार दलाई ने डा. सर्वपल्ली राधा कृष्णन के गुणों का स्मरण करते हुए सभी से उनके गुणों का अनुसरण करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का प्रारंभ डा. विद्या के मंगलाचरण से हुआ। डा. लिया अब्राहम ने अतिथियों का परिचय कराया। आयुर्वेदीय क्रिया शरीर विभागाध्यक्ष डा. अखिन्ना शशिधरन ने कार्यक्रम का संचालन किया। संहिता व सिद्धांत विभाग के डा. शिवज्योति ने अभी अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

फैशन शो ने सबको किया आकर्षित

संस्कृति विवि के 12वें स्थापना दिवस पर नृत्य–संगीत की धूम

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह की शाम का आगाज मां सरस्वती के पूजन और विघ्नहर्ता श्रीगणेश की वंदना के साथ हुआ। तुरंत बाद विवि के मुख्य मैदान पर विवि के विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए कार्यक्रमों की झड़ी लग गई। रंग बिरंगी रौशनियों के बीच तेज संगीत और आकर्षक नृत्यों, गीतों ने पूरे माहौल में मस्ती का ऐसा रंग बिखेरा कि सब देर रात तक इसकी खुमारी में डूबे रहे।

मंच पर विश्वविद्यालय की छात्राओं राधिका, अनु राय, प्रितिका, छात्र सत्यम, मोहन श्याम, गौरव, राहुल ने गणेश वंदना की भावपूर्ण प्रस्तुति की। छात्रा अंशी कुमारी, तनिशा, पूनम, छात्र लव दीक्षित, गौतम कुमार, तिकारा जायसवाल, छात्रा पोराग हजारिका ने मन को शांत करने वाले संगीत के साथ योगासनों की प्रस्तुति की। थोड़ी ही देर में मंच पर दक्षिण भारतीय परंपराओं वाले गीत पर छात्रा जी.वार्षनीय, हरिनी, परिमाला, शरण्या, श्रुति छात्र नंगल नायक, बालाजी आदि ने दक्षिण शैली के शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत कर सबको सम्मोहित किया। मंच पर सभी राज्यों की प्रस्तुति करने वाले गीतों पर अपनी–अपनी शैली में छात्रा प्राची, नताशा, अदिति, हर्षिता, वंदना, काजल, छात्र अनिकेत, वैष्णव आदि ने नृत्य कर खूब तालियां बटोरीं। मंच पर नवरात्र के मौके पर छात्रा, चंचल,

तीन–चार–पांच–संस्कृति स्कूल आफ फैशन डिजाइनिंग के छात्र–छात्राओं द्वारा प्रस्तुत फैशन शो।

गौरी, श्रीता, कनिका, शिवानी, सचिन, अभिषेक, संस्कार ने गर्भा और डांडिया कर हलचल मचा दी। यकायक छात्रों के एक समूह ने मंच पर बालीवुड के धमाकेदार गीतों पर जबर्दस्त नृत्य कर युवाओं को नाचने पर मजबूर कर दिया।

विदेशी छात्राओं बेन, सिनाकिवे, सिकुले, छात्र फ्रेड, ऐरिक आदि ने हिंदी भाषा में एक लोकप्रिय गीत, सारी उम्र हम मर–मर के जिए..सुनाकर उपस्थित श्रोताओं को देर तक ताली बजाने को मजबूर कर दिया। विदेशी विद्यार्थियों एलिजाबेथ, लारेंस, नेली, डायना, वांजी, होप द्वारा संस्कृति विवि में प्रवेश के लिए विदेशी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने वाला एक ऐसा ड्रामा प्रस्तुत किया गया, जिसपर सभी ने खड़े होकर तालियां बजाईं। आयुर्वेदिक मेडिकल कालेज के छात्र–छात्राओं दिव्या मंगला, देवेंद्र गुप्ता, योगेश कुमार, विशाल यादव, गुलशन यादव आदि ने नकल की महिमा पर नाटिका प्रस्तुत कर सबको खूब हंसाया। जब छात्रा सलोनी, दिव्या, सोनाली, स्वेच्छा, वैदेही ने मर्दानी बन अपने ऊपर होने वाले हमलों का सामना करने का संदेश देती हुई एक नाटिका प्रस्तुत की तो सभी रोमांचित हो गए। तालियों से इन छात्राओं का भरपूर उत्साहवर्धन किया गया। छात्रा प्रत्याशा, छात्र गौरव, आकाश, हर्ष ने मूक होकर धीमी गति का नृत्य प्रस्तुत किया। इन विद्यार्थियों की अभिनय क्षमता को जमकर सराहा गया। इन सभी कार्यक्रमों को संस्कृति स्कूल आफ कैमिस्ट्री की विभागध्यक्ष डा. दुर्गेश वाधवा, स्कूल आफ मैनेजमेंट की असिस्टेंट प्रोफेसर सागरिका गोस्वामी, विद्यार्थियों में बीए.बीएड की छात्रा, मुस्कान, बीएएमएलडी की छात्रा मोनिका, बीएससी बीएड की छात्रा मेघना द्वारा कड़ी मेहनत से तैयार कराया।

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण बना संस्कृति स्कूल आफ फैशन डिजाइनिंग के विद्यार्थियों द्वारा शिक्षक शांतनु के निर्देशन में प्रस्तुत किया गया फैशन शो। भारतीय वस्त्रों की आधुनिकतम डिजायनिंग को फैशन डिजायनिंग स्कूल के छात्र–छात्राओं ने पूरे आत्मविश्वास के साथ मंच पर प्रस्तुत किया।

******

संस्कृति विवि के स्थापना दिवस समारोह के दौरान छात्र–छात्राएं भावपूर्ण गणेश वंदना प्रस्तुत करते हुए।

संस्कृति विवि ने 12 टीबी मरीज लिए गोद

मथुरा। संस्कृति विवि के स्थापना दिवस के अवसर पर कुलाधिपति डा. सचिन गुप्ता द्वारा प्रधानमंत्री प्रधान मंत्री के भारत को टीबी मुक्त बनाने के आह्वान पर 12 टीबी मरीजों के पोषण की जिम्मेदारी विवि द्वारा उठाने की घोषणा की। संस्कृति नर्सिंग स्कूल के प्राचार्य डा. केके पाराशर ने बताया कि इन सभी टीबी मरीजों को विवि द्वारा हर माह न्यूट्रीशन संस्कृति विश्वविद्यालय की ओर से दिया जाएगा।

for any queries please contact

Helpline 8095376611
E-mail enquiry@sanskriti.edu.in
Website www.sanskriti.edu.in
Address 28 K.M. Stone, Mathura - Delhi Highway, Chhata, Mathura (U.P.)

संस्कृति विवि में सर चढ़ कर बोला सलमान की आवाज का जादू

मथुरा। संस्कृति विवि के स्थापना दिवस समारोह के दौरान आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का मुख्य आकर्षण बने इंडियन आइडियल फेम सलमामन अली ने अपनी बेहतरीन गायिकी से सभी को अपना मुरीद बना लिया।

संस्कृति विवि के मुख्य मैदान पर आयोजित स्थापना दिवस समारोह में 10वें इंडियन आइडियल के विजेता, टीवी सीरियल और फिल्मों में अपनी विशेष गायिकी से पहचान बना चुके सलमान ने जैसे ही गाना शुरू किया हजारों छात्र, छात्राएं खुशी से चीखने लगे। आलम यह था की सलमान जैसे ही अपना कोई गाना शुरू करते छात्र, छात्राए उसकी अगली लाइन गाने लगते। आखिर सलमान को कहना ही पड़ा कि वे संस्कृति विवि आकर धन्य हो गए। ऐसे प्रशंसक जो यहां ब्रज में मिले ऐसे तो कहीं नहीं मिले।

सलमान की आवाज में पीढ़ियों की गहराई है और उसमें उनके परिश्रम का परिणाम भी नजर आता है। अपने गायन की शुरुआत उन्होंने लोकप्रिय गीत, ये दिल्लिगी भूल जानी पड़ेगी, से की। तेरे नाम से जी लूं..... तेरी दीवानी, तेरी दीवानी के साथ उन्होंने अपने गए लोकप्रिय गीतों की झड़ी लगा दी। वो गा रहे थे और उनके चाहने वाले उनके साथ गाते हुए झूम रहे थे। अनेक गायकों द्वारा गया जा चुका, मेरे रश्के कमर... जब सलमान ने गया तो उनकी आवाज के जादू का अहसास सबको हुआ। विद्यार्थियों की फरमाइशें खत्म होने का नाम नहीं ले रहीं थीं और सलमान भी अपने प्रशंसकों से मिल रही वाहवाही से थकान भूल चुके थे। फरमाइशों का यह दौर रात के दो बजे तक चला और छात्र, छात्राओं ने सलमान के गीतों से जमकर मनोरंजन किया

ब्रज तो महान कलाकारों की धरती है

कार्यक्रम से पूर्व सलमान अली ने एक मुलाकात में बताया कि उनके यहां चार पीढ़ियों से गायकी की परंपरा है। उन्होंने अपने पिता कासिम अली से संगीत की शिक्षा ली। वो बताते हैं कि पिता से सीखने के दौरान उन्होंने उनकी खूब मार खाई और पिता ने तभी छोड़ा जब उन्होंने गल्ती सुधारी। अपने परिवार के लिए समर्पित सलमान ने बताया कि उनका परिवार बहुत बड़ा है।

बहुत गरीबी के हालात में उनकी परवरिश हुई। लेकिन उन्होंने कभी मेहनत से नहीं मुहं मोड़ा। पढ़ाई में कोई विशेष रुचि न होने के कारण सारा टाइम गायकी की बारीकियों को सीखने में ही लगाया। ऊपर वाले पर बहुत भरोसा करने वाले इस युवा गायक ने कहा कि उसकी रहमत से जब में इंडियन आइडल में पहुंच गया तो हमेशा यही दुआ करता था कि मुझे फाइनल में गाने का मौका मिल जाए। साथी लोग भी इतना अच्छा गा रहे थे कि फाइनल में पहुंचने के बाद भी मुझे नहीं लग रहा था कि में ही जीतूंगा, लेकिन मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया और सुनने वालों ने मुझे अपना भरपूर प्यार दे दिया और मैं जीत गया।

उन्होंने बताया कि इस कृष्ण की नगरी में पहली बार

संस्कृति विवि के स्थापना दिवस समारोह के दौरान अपनी प्रस्तुतियों से विद्यार्थियों का दिल जीत लेने वाले लोकप्रिय युवा गायक सलमान अली।

आए हैं, लेकिन उनकी टीम में शामिल कई कलाकार यहीं आसपास के हैं। ये तो महान कलाकारों की भूमि है, यहां प्रस्तुति देने का मजा भी है और मेरे जैसे युवा के लिए तो बहुत बड़ी चुनौती।

पर्यटन दिवस पर संस्कृति विवि के छात्रों ने बनाए स्वादिष्ट व्यंजन

संस्कृति विवि के स्कूल आफ होटल टूरिज्म एंड होटल मैनेजमेंट में विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर छात्र–छात्राएं के बनाए हुए व्यंजनों का निरीक्षण करतीं विवि की विशेष कार्याधिकारी मीनाक्षी शर्मा, डीन डा. रजनीश त्यागी, इंक्युबेशन सेंटर के सीईओ डा. अरुन त्यागी, डीन रतीश शर्मा ।

मथुरा। विश्व पर्यटन दिवस के उपलक्ष्य में संस्कृति विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ होटल टूरिज्म एंड होटल मैनेजमेंट में 'नो फायर रेसिपीज कम्पटीशन', 'पोस्टर मेकिंग', 'स्किट' इत्यादि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस मौके पर होटल मैनेजमेंट के छात्र–छात्राओं ने विवि की अत्याधुनिक रसोई में एक से बढ़कर एक स्वादिष्ट व्यंजन तैयार कर उनका प्रदर्शन किया। विश्व पर्यटन दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को पर्यटन दिवस की बधाई देते हुए संस्कृति विवि के चांसलर डॉ सचिन गुप्ता ने कहा कि भारत में पर्यटन व्यवसाय तेजी से बढ़ रहा है। इस क्षेत्र में स्किल्ड लोगों की बहुत मांग है। हम उम्मीद करते हैं कि हमारे यहां से डिग्री हासिल करने के बाद सभी विद्यार्थी देश–दुनिया की अच्छी कंपनियों में रोजगार हासिल करें या फिर अपना कारोबार कर विवि और अपना नाम ऊंचा करें। उन्होंने कहा कि पर्यटन के सभी हितधारकों को साथ आना होगा, जैसे सरकार, व्यवसाई, स्थानीय समुदाय, पर्यावरण और एक साझा दृष्टिकोण का निर्माण करना होगा जो समावेशी, लचीला और टिकाऊ हो। '' संस्कृति विवि के कुलपति डॉ तन्मय गोस्वामी ने कहा कि पर्यटन उद्योग भी उन प्रमुख उद्योगों में शामिल है जो कोविड–19 महामारी से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। पर्यटन का व्यापार से गहरा संबंध है, लेकिन आज यह अपने आप में एक प्रमुख उद्योग बन गया है। पिछले तीन वर्षों में कोविड महामारी के कारण लगाए गए लॉकडाउन और प्रतिबंधों से यह बुरी तरह प्रभावित हुआ है। आज , 27 सितंबर को लोग पर्यटन के भविष्य के बारे में सोच रहे हैं और कोरोना की महामारी के बाद तेजी से रफ्तार पकड़ रहे इस उद्योग की ओर आकर्षित हो रहे हैं। इस वर्ष की थीम पर बोलते हुए संस्कृति स्कूल आफ एग्रीकल्चर के डीन डॉ रजनीश त्यागी ने बताया कि इस साल विश्व पर्यटन दिवस की थीम 'रीथिंकिंग टूरिज्म' यानि पर्यटन पर पुनर्विचार रखी गई है। इसका लक्ष्य शिक्षा, रोजगार और पर्यटन के प्रभावों के जरिए पृथ्वी पर आवासीयता के अवसरों को बढ़ाने हेतु विकास के लिए पर्यटन पर पुनर्विचार पर बहस को प्रेरित करना है। उन्होंने कहा की ''इस दिन को मनाने का मकसद पर्यटन से रोजगार को बढ़ाना, पर्यटन के प्रति जागरूकता लाना और ज्यादा से ज्यादा पर्यटन को बढ़ावा देना है। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर प्रकश डालते हुए स्कूल ऑफ टूरिज्म एंड होटल मैनेजमेंट के डीन रतीश शर्मा ने बताया कि विश्व पर्यटन संस्था ने साल 1970 में इस दिवस के लिए 27 सिंतबर का चयन कर लिया था। लेकिन इसे मनाने की औपचारिक शुआत 27 सितंबर 1980 को ही हो सकी। तब से हर साल इसी दिन विश्व पर्यटन दिवस को मनाया जाता है। इस अवसर पर स्कूल ऑफ टूरिज्म एंड होटल मैनेजमेंट के छात्र अमन और आकाश ने ट्रिपल चोको केक , उमेश और असिज ने रशियन सलाद , हर्षित और विकास ने फ्रेंच संविच , सौरभ और महेश ने पोस्टर मेकिंग , प्रेरणा और सृष्टि ने मैक्रोनी सलाद , पुष्पेंद्र और मनोज ने मुंबई की मशहूर भेल पूरी , योगेंद्र , अंकित, सौरभ और हिरदेश ने मॉकटेल , एवं अजय और हरीश ने चिप्स चाट , काजू कतली और मॉकटेल्स बनाई। विश्व पर्यटन दिवस को मानने में स्कूल ऑफ टूरिज्म एंड होटल मैनेजमेंट के अमीषा श्रीवास्तव , मोहित रस्तोगी , मनोज शर्मा , पियूष झा इत्यादि का योगदान अति सराहनीय रहा।

आत्मनिर्भता की ओर तेजी से बढ़ रहा है भारत: अरुण सिंह

मथुरा। 'आत्मनिर्भर भारत और पं. दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानववाद' विषय को लेकर संस्कृति विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव, सांसद अरुण सिंह ने कहा कि भारत आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ रहा है। आत्मनिर्भरता का यह लक्ष्य पं.दीनदयाल उपाध्याय ने ही निर्धारित किया था। मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से शुरू हुए इस सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि भारत में इस समय विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक दल की सरकार है और इसका नेतृत्व विश्व के सबसे लोक्रप्रिय व्यक्तित्व नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से भारत में अंधकार को मिटाकर देश की तस्वीर बदलना शुरू हुई। भारत आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। आज जब विश्वभर के देशों की आर्थिक व्यवस्था में मारामारी मची हुई है तो ऐसे में महत्वपूर्ण सवाल उठता है कि हम आत्मनिर्भर कैसे बनें। पंडित दीनदयाल उपाध्याय कहते थे कि हमारे देश की अर्थ व्यवस्था देश के अनुकूल होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब भारत पूरी तरह विदेशों पर निर्भर था। यहां तक कि हमारे यहां खाने को अनाज भी विदेश से आता था। लेकिन आज वह स्थिति नहीं है। आज का भारत बहुत से मामलों में सक्षम है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। आत्मनिर्भर भारत के पांच मजबूत स्तंभ हैं जिनपर काम हो रहा है,

सम्मेलन को संबोधित करते भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव, सांसद अरुण सिंह।

क्वांटम जंप, स्केल आफ स्पीड, सिस्टम इंप्रूवमेंट, प्राकृतिक ऊर्जा उत्पादन और मांग। हमने आर्थिक

संस्कृति विवि में तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर उद्घाटन करते भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह, साथ में स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय संयोजक सतीश अग्रवाल, संस्कृति विवि के चांसलर डा. सचिन गुप्ता।

क्षेत्र में बहुत तेजी से तरक्की की है। आज हम विश्व की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर में तेजी से सुधार हो रहा है। सम्मेलन में मौजूद स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय संयोजक सतीश अग्रवाल ने अपने जोशीले वक्तव्य में स्वदेशी अपनाने का नारा देते हुए कहा कि महात्मा गांधी के बाद पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने स्वदेशी स्वावलंबन का विचार देश को दिया। 20वीं शताब्दी में भारत को दो महापुरुषों महात्मा गांधी और पं.दीनदयाल उपाध्याय ने प्रभावित किया। दोनों ही गैर राजनीतिक महापुरुष थे। उन्होंने कहा कि स्वदेशी अपनाकर ही देश आत्मनिर्भर बन सकता है। अंग्रेजों ने भारत को नौकरी का कंसेप्ट दिया। गुलामी के दौरान हमारे देश ने नौकरी को अच्छा माना जाने लगा वरना हमारे देश में तो चाकरी(नौकरी)करना सबसे तुच्छ माना जाता था।

देश के 37 करोड़ युवाओं से ये उम्मीद की जाती है कि वे नौकरी के लिए नहीं नौकरी देने वाले उद्यमी बनें। आज हमारे यहां बड़ी तेजी से कंपनियां खड़ी हो रही हैं। उन्होंने कहा भारत में स्वदेशी का समय आ गया है क्योंकि भारत का समय आ गया है। प्रख्यात उद्योगपति पूरन डाबर ने सम्मेलन में मौजूद युवा विद्यार्थियों को अपना उदाहरण देते हुए उद्यमी बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हमारे देश में सिर्फ एकात्म मानववाद ही सफल हो सकता है, जो देश के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचता है। उन्होंने प्रधानमंत्री के मेक इन इंडिया के नारे का हवाला देते हुए कहा कि सिर्फ इसके आधार पर ही देश आत्मनिर्भर बन सकता है।

संस्कृति विवि के चांसलर सचिन गुप्ता ने कहा कि हमारे गावों में चलने वाले लघु उद्योगों को बढ़ावा देकर देश आत्मनिर्भर बन सकता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को आइडिया खोजने चाहिए और उन आइडिया को कैच कर उसपर काम करने से देश तेजी से आगे बढ़ेगा। उन्होने कहा कि देश में कृषि के क्षेत्र में बहुत काम किया जा सकता है। उन्होने बताया कि संस्कृति विवि एग्री क्लीनिक खोलने जा रहा है, यहां नए स्टार्टअप और नए आइडिया पर काम करने के लिए बड़ी अनुदान राशि भी मिलेगी। सम्मेलन में मौजूद कलाकार, निर्देशक प्रकाश भारद्वाज ने कहा कि हमें वह करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को लेकर एक अच्छी फिल्म बननी चाहिए।

बीएसए के पूर्व प्रधानाचार्य, विभाग संचालक डा. वीरेंद्र मिश्रा ने पं.दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद पर विस्तार से प्रकाश डाला। संस्कृति स्कूल आफ एग्रीकल्चर के डीन डा. रजनीश त्यागी ने सम्मेलन के विषय और विस्तार के बारे में सभी को परिचित कराया।

कार्यक्रम में संस्कृति विवि की विशेष कार्याधिकारी श्रीमती मीनाक्षी शर्मा, भाजपा के नेता प्रदीप गोस्वामी, चिंताहरण चतुर्वेदी, पुनीत चतुर्वेदी आदि मौजूद थे। संस्कृति विवि के कुलपति डा. तन्मय गोस्वामी ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम का कुशल संचालन संस्कृति विवि के प्लेसमेंट एंड ट्रेनिंग सेल की प्रभारी अनुजा गुप्ता ने किया।

******

संस्कृति विवि में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय दिवस

अपने देश की याद कर गर्व से भर उठे अफ्रीकी मूल के विद्यार्थी

अपने देश नमीबिया के बारे में बताकर प्रसन्न होती संस्कृति विवि की छात्राएं।

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय में अफ्रीकी मूल के लोगों के लिए मनाया जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले अफ्रीकी देशों के छात्र–छात्राओं ने बड़े उत्साह और गर्व के साथ अपने देश की विशेषताएं बताईं और अपने राष्ट्रीय गीतों को भी प्रस्तुत किया। विवि के शिक्षक और छात्रों ने सभी राष्ट्र गान पर सम्मान के खड़े होकर इन अफ्रीकी देशों के छात्र–छात्राओं के उत्साह को दूना कर दिया। इस देशभक्ति और भावनाओं से ओतप्रोत अफ्रीकी छात्र–छात्राओं के कार्यक्रम में मंच से जानकारी देते हुए बताया गया कि अफ्रीकी मूल के लोगों के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस पहली बार 31 अगस्त 2021 को मनाया गया। संयुक्त राष्ट्र का उद्देश्य दुनिया भर में अफ्रीकी डायस्पोरा के असाधारण योगदान को बढ़ावा देना और अफ्रीकी मूल के लोगों के खिलाफ सभी प्रकार के भेदभाव को खत्म करना है। इस अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर खास आकर्षण बनी अफ्रीकी देशों के छात्र–छात्राओं की वेश–भूषा। सभी विद्यार्थियों ने अपने देश के परंपरागत परिधान पहन कर प्रतिनिधित्व किया। विद्यार्थियों ने परंपरागत नृत्य और गायन का भी प्रस्तुत किया। यद्यपि भारतीय छात्र–छात्राओं को उनकी भाषा समझ से परे थी लेकिन उनके भावों ने इस समस्या को भी हल कर दिया। घाना की छात्रा एलिजाबेथ ने बड़े गर्व से बताया कि मेरा देश अफ्रीका का दूसरा सबसे बड़ा सोने, कोको बीन्स का उत्पादक है। उसने बताया कि हमारे यहां ज्यादातर लोग हाथ के बने वस्त्र ही पहनते हैं। लीसोथो की रहने वाली छात्रा रीबोकिल ने बताया कि मेरा देश बर्फ की पहाड़ियों से घिरा खूबसूरत देश है। लाइबेरिया के छात्र विस्टन नेली ने बताया कि सर्फिंग के शौकीनों के लिए मेरा देश स्वर्ग है। मलाविया की छात्रा मैमोरी ने अपने साथियों के साथ बड़े रुचिकर ढंग से बताया कि उनके देश की नदियों में मछलियों की सर्वाधिक प्रजातियां पायी जाती हैं। नबिया के के लियोपोर्ड और अन्य छात्रों ने बताया कि हमारा देश पर्यटन के लिए दुनिया में पहले स्थान पर है। रवांडा के छात्र इरिक ने बड़ी खूबसूरती के साथ अपने देश की सुंदरता, त्योहारों, समारोहों, उनमें होने वाले नाच–गानों का वर्णन किया। छात्र टिट्टो ने दक्षिणी सूडान, प्रीटी ने स्वाजीलैंड, छात्र वांजीवू ने जांबिया, छात्र बेन ने जिम्बावे के बारे में बड़े गर्व के साथ उपलब्धियों, खानपान, ड्रेस और संस्कृति के बारे में बताया। इन सभी विद्यार्थियों ने अपने देश के राष्ट्रीय ध्वज के बारे में विस्तार से जानकारी दी और पूरे उत्साह के साथ अपने देश के राष्ट्रगान प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में मौजूद संस्कृति विवि के चांसलर सचिन गुप्ता, विशेष कार्याधिकारी मीनाक्षी शर्मा, डा. रजनीश त्यागी, डीन अकेडमी डा. योगेश चंद्र आदि ने पूरे समय मौजूद रहकर इन अफ्रीकी मूल के छात्र–छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन अनुजा गुप्ता ने किया।

दिन का इतिहासः
वर्ष 2020 ने अफ्रीकी मूल के लोगों के लिए अंतर्राष्ट्रीय दशक के मध्यावधि को चिह्नित किया। जबकि विधायी, नीति और संस्थागत स्तरों पर कुछ प्रगति हुई है, अफ्रीकी मूल के लोग नस्लीय भेदभाव, हाशिए पर और बहिष्करण के परस्पर और मिश्रित रूपों से पीड़ित हैं। 19 जून 2020 को, मानवाधिकार परिषद ने ''कानून प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा बल के अत्यधिक उपयोग और अन्य मानवाधिकारों के उल्लंघन के खिलाफ अफ्रीकियों और अफ्रीकी मूल के लोगों के मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता के प्रचार और संरक्षण'' पर संकल्प को अपनाया गया।

• ENGINEERING
• MANAGEMENT
• HOSPITALITY
• AGRICULTURE
• FASHION
• EDUCATION
• LAW • BNYS
• BAMS • BUMS
• NURSING
• BIOTECH
• B. PHARM
• D. PHARM
• PARA-MEDICAL
• PHYSIOTHERAPY

संस्कृति विवि में हुई महिला सशक्तिकरण पर विस्तार से चर्चा

मथुरा। आत्मनिर्भर भारत और पं. दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानववाद' विषय को लेकर संस्कृति विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन तकनीकि सत्रों में महत्वपूर्ण शोधपत्र पढ़े गए। के दूसरे दिन तकनीकि सत्रों में महत्वपूर्ण शोधपत्र पढ़े गए। इन सत्रों में नारी की स्वतंत्रता और उसकी निर्णय क्षमता से जुड़े महत्वपूर्ण शोधपत्र में महिलाओं की मानसिक दशा का उनकी स्वतंत्रता और निर्णय क्षमता पर विस्तार से बात कही गई। नारी शक्ति के महत्व और विभिन्न क्षेत्रों में उसकी भागीदारी पर किए गए शोधों से भी कई निर्णय निकलकर सामने आए।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन जे.एस. विश्वविद्यालय के प्रो वाइस चांसलर प्रोफेसर वेद प्रकाश त्रिपाठी और संस्कृति स्कूल आफ एग्रीकल्चर के प्रोफेसर एन. एन. सक्सैना की अध्यक्षता में हुए प्रथम सत्र के दौरान छह शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। बिहार की शोधार्थी किरन कुमारी ने महिला स्वयं सहायता समूह की उपयोगिता आर्थिक विकास के परिदृश्य में उनका योगदान बताया। अपने शोध पत्र में उन्होंने जीविका सहायता समूह का हवाला देते हुए कहा कि बिहार की महिलाओं ने नर्सरी स्थापित कर स्वयं को तो आत्मनिर्भर बनाया ही साथ ही अपने पर्यावरण को भी सुदृढ़ किया। उन्होने बताया कि स्वयं सहायता समूह ने आर्थिक परिदृश्य को बदला है। सम्राट सिकदर ने अपने शोधपत्र में शक्ति के विकेंद्रीयकरण की एक अवधारणा को प्रस्तुत करते हुए बताया कि शक्ति का विकेंद्रीयकरण होना जरूरी है। इससे वंचित वर्ग भी विकास की ओर अग्रसर हो पाएगा। डा. उर्वशी शर्मा ने अपने शोधपत्र में महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होने बताया कि गृहणी के मानसिक स्वास्थ्य का प्रभाव उसकी निर्णय क्षमता और उसकी स्वतंत्रता पर पड़ता है। उन्होंने बताया कि मथुरा जनपद की गृहणियों पर किए गए इस शोध में यह पाया गया कि खराब मानसिक स्वास्थ्य उनकी निर्णय क्षमता को घटाता है और उनकी स्वयं की स्वतंत्रता को भी प्रभावित करता है। उन्होंने बताया कि शोध में यह भी स्पष्ट हुआ कि परिवार की पृष्ठभूमि, एकल परिवार, संयुक्त परिवार का प्रभाव भी महिला की निर्णय क्षमता और स्वतंत्रता को प्रभावित करता है।

इस महत्वपूर्ण तकनीकि सत्र में प्रोफेसर सरस्वती घोष ने 'महिला विकास में समाज की भूमिका' पर प्रकाश डालते हुए बताया कि समाज में महिला द्वारा किए गए अनपेड कार्य की सराहना नहीं की जाती, जिसे अच्छे ढंग से सराहा जाना चाहिए। कु. प्रज्ञा सिंह ने भी सहायता समूह की भूमिका को महिला उत्थान में महत्वपूर्ण बताया। संस्कृति विवि की छात्रा साक्षी कुमारी तथा कनिका द्वारा भी एक उपयोगी शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

वहीं कल संपन्न हुए दो सत्रों में से प्रथम सत्र में आईइए के चीफ कान्फ्रेंस कोर्डिनेटर डा. एके तौमर, डा. प्रिया मित्तल, डा. अजय त्यागी, कवि कपिल कुमार की मौजूदगी में 12 शोध पत्र पढ़े गए। दूसरे सत्र में आईइए के जनरल सेक्रेटरी डा. एके अस्थाना, डा. मोनिका वार्ष्णेय की मौजूदगी में नौ शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। सभी ने आत्मनिर्भर भारत के परिप्रेक्ष्य में उपयोगी जानकारियां दीं। तकनीकि सत्रों के बाद हुए सांस्कृति कार्यक्रम में दिल्ली से आए कलाकारों ने अपने गीतों से दिनभर चले गंभीर चिंतन की थकान मिटाने में दवाई का काम किया। विद्यार्थियों ने भी इसमें बढ़चढ़कर भाग लिया और देर रात तक भरपूर मनोरंजन किया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी का दूसरा दिन

आत्मनिर्भर भारत और पं. दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानववाद' विषय को लेकर संस्कृति विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन मुख्य अतिथि डा. अलका गूजर के साथ विवि के चांसलर डा. सचिन गुप्ता, शोधार्थी एवं विद्यार्थी।

मथुरा। आत्मनिर्भर भारत और पं. दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानववाद' विषय को लेकर

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय सचिव डा. अलका गूजर को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते संस्कृति विवि के चांसलर डा. सचिन गुप्ता।

प्रधानमंत्री मोदी बनाएंगे देश को आत्मनिर्भर

संस्कृति विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेने पहुंची भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय सचिव डा. अलका गूजर ने विद्यार्थियों के समक्ष उभरते भारत की तस्वीर का एक मजबूत खाका खींचा। उन्होंने संस्कृति विवि के चांसलर डा. सचिन गुप्ता और संस्कृति स्कूल आफ एग्रीकल्चर के डीन डा. रजनीश त्यागी की इस आयोजन के प्रति प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन देश के लोगों में एक जोश पैदा करते हैं। साथ ही लोग नेतृत्व द्वारा देश को आत्म निर्भर बनाए जाने के लिए किए जा रहे प्रयासों से भी परिचित कराते हैं। उन्होंने देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रधानमंत्र नरेंद्र मोदी द्वारा किए जा रहे भागीरथी प्रयासों को बताया। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि प्रधानमंत्री ने देश को मजबूती से खड़ा करने के लिए कौन–कौन सी योजनाओं पर काम शुरू कराया है। उन्होने बताया कि हमारे देश के प्रधानमंत्री चाहते हैं कि छोटे और मंझौले उद्योग चलाने वाले पूरी तरह से समर्थ हों और उन्हें किसी कठिनाई का सामना नहीं करना पड़े। चांसलर सचिन गुप्ता द्वारा इस मौके पर डा. अलका गूजर को स्मृति चिह्न व विशेष कार्याधिकारी श्रीमती मीनाक्षी शर्मा द्वारा शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

संस्कृति विवि का तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन हुआ संपन्न

विद्यार्थी कर सकते हैं उन्नत भारत का निर्माणः आनंदीबेन

आत्मनिर्भर भारत और पं.दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानववाद, विषय को लेकर संस्कृति विवि द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को स्मृति चिह्न प्रदान करते संस्कृति विवि के चांसलर डा. सचिन गुप्ता।

मथुरा। आत्मनिर्भर भारत और पं.दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानववाद, विषय को लेकर संस्कृति विवि द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने छात्राओं से आत्मनिर्भर बनने का आह्वान करते हुए कहा कि वे अपने आसपास के लोगों के उत्थान में भी सहयोग करें। राज्यपाल आन्नदीबेन ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद व अंत्योदय पर चर्चा करते हुए कहा कि जबतक देश में अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक प्रभावी योजनाओं का लाभ नहीं पहुंचेगा तबतक भारत वैश्विक पटल पर अपना स्थान नहीं बना सकेगा। हमारे भारतीय नवजवानों को नवाचार , सांइस एंड टेक्नोलॉजी से नित्य नये आत्मनिर्भरता के साथ उन्नत भारत के लिए आयाम तय करने होंगे। कोरोना महामारी के दौरान प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने विश्व को वैक्सीन सहित मेडिकल संसाधनों के उत्पादन व अन्य देशों को मदद पहुंचाकर यह बता दिया कि भारत एक आत्मनिर्भरता के साथ सामर्थ्यवान भी देश है। इस अवधि में भारत अनेक बिमारियों की वैक्सीन भी तैयार कर ली है । जबतक स्वस्थ भारत नहीं होगा तबतक सक्षम भारत का सपना साकार नहीं हो सकेगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय संस्कृति, सांस्कृतिक व सहकारिता के क्षेत्र में तकनीकी व मानव संसाधन के साथ तेजी से कार्य करें तभी भारत अपने परम वैभव को प्राप्त कर सकेगा। शोधात्मक तौर से एकात्म मानववाद वह अन्तोदय के प्रतिमान को तय करने के लिए प्रतिवर्ष नवाचार के साथ पाठ्यक्रम में बदलाव की आवश्यकता रहेगी। दीनदयाल धाम फराह स्थित बालिका विद्यालय में प्रदेश की राज्यपाल अनादिबेन पटेल ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि वे अपने आसपास रहने वाले लोगों के उत्थान में आगे आएं। उनकी समस्याओं को समझें और उन्हें हाल करने में सहयोग करें रजनीश त्यागी ने तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के निष्कर्षों और शोधपत्रों का ब्योरा प्रस्तुत किया। इस मौके पर मंचासीन संस्कृति विवि के चांसलर डॉक्टर सचिन गुप्ता ने प्रदेश की राज्यपाल को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। मंचासीन अतिथियों में कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी,इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रोफेसर अध्याप्रसाद पांडे, महोत्सव समिति के अध्यक्ष अशोक टेंटीवाल, कमल कौशिक, जन्मभूमि स्मारक समिति के उपाध्यक्ष डॉक्टर रोशनलाल मोजूद थे।

संस्कृति विश्वविद्यालय, मथुरा में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कांफ्रेंस के अंतिम दिन दीनदयाल धाम के सभागार में आत्मनिर्भर भारत के संदर्भ में पं दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद पर विभिन्न शोध पत्र प्रस्तुत किये गये। इस सत्र में चेयरपर्सन डा डिम्पल, प्राचार्य, आर्य कन्या महाविद्यालय, खुर्जा, को चेयरपर्सन डा अर्चना मुद्गल, विशिष्ट आमंत्रित वक्ता जे एस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो वेद प्रकाश त्रिपाठी, केंद्रीय विश्वविद्यालय मणिपुर के पूर्व कुलपति प्रो ए पी पांडेय व हिंदुस्तान कालेज आफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ राजीव उपाध्याय तथा रिपोर्टियर डा. विक्रम सिंह रहे।

प्रो वेद त्रिपाठी ने कहा कि भारतीय सनातन संस्कृति के साथ तकनीकी कृषि प्रसार सहित उत्पादन के विभिन्न क्षेत्रों में भारत वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है। डा राजीव उपाध्याय ने भविष्य के भारत के लिए प्रतिपादित सिद्धांतों पर चर्चा की। कांफ्रेंस के संयोजक डा रजनीश त्यागी ने कांफ्रेंस में सैकड़ों शोध पत्रों में से विशिष्ट शोध पत्रों की समीक्षा करते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संयोजन पंडित दीनदयाल उपाध्याय धाम के डा. कमल कौशिक ने किया। अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रस्तुत किये गये।

******

संस्कृति विवि में हुई गणपति की मूर्ति स्थापित, जयकारों से गूंजा प्रांगण

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के मैदान में गणेश चतुर्थी के अवसर पर विधि–विधान से गणेशजी की प्रतिमा स्थापित की गई। इस भव्य आयोजन के दौरान विद्यार्थियों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। विद्यार्थियों द्वारा गायी गई गणेश वंदना और गीतों से सारा प्रांगण गूंज उठा।

गणपति पूजन के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति डा. तन्मय गोस्वामी ने कहा कि आज गणेश चतुर्थी तो है ही साथ ही आपके नवीन सत्र की शुरुआत हो रही है। ऐसे में आपको यह संकल्प लेना चाहिए कि आप पूरे ध्यान से और लगन से विद्याध्ययन करेंगे और उसका उपयोग अपने देश और परिवार के विकास में करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारे देवी, देवता और भगवान हमारे सद् कार्यों में सदा हमारे साथ होते हैं। आप इस अनादिकाल से चली आ रही भारतीय संस्कृति के संवाहक हैं, इसलिए आपकी जिम्मेदारी है कि सबसे पहले आप इसका पालन करें।

गणपति पूजन के दौरान मौजूद पंडितजी ने मंत्रोच्चार के साथ गणेशजी का आह्वान किया। विश्वविद्यालय की विशेष कार्याधिकारी श्रीमती मीनाक्षी शर्मा ने गणेशजी को माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए। पूजन के उपरांत विवि के चांसलर सचिन गुप्ता ने गणेशजी की आरती उतारी और सभी को प्रसाद वितरित किया। इस मौके पर विवि के एकादमिक डीन डा. योगेश चंद्र के अलावा सभी डीन, फैकल्टी ने भी गणेशजी को पुष्प अर्पित किए।

संस्कृति विवि के मैदान में स्थापित गणेशजी का पूजन करते विवि के चांसलर सचिन गुप्ता एवं साथ में विवि के अधिकारीगण।

संस्कृति विवि के विद्यार्थियों को लैंसकार्ट कंपनी में मिली नौकरी

कैंपस प्लेसमेंट के दौरान संस्कृति विवि के चयनित छात्र एवं छात्राएं। साथ में हैं लैंसकार्ट कंपनी के अधिकारीगण।

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को आई ग्लासेस, कांटेक्ट लैंस, सन ग्लासेज बनाने वाली लोकप्रिय कंपनी लैंसकार्ट ने अपने यहां नौकरी दी है। कंपनी ने कैंपस प्लेसमेंट के तहत लंबी चयन प्रक्रिया अपनाकर इन विद्यार्थियों का चयन किया है। लैंसकार्ट कंपनी की एचआर चारू ने बताया कि कैंपस प्लेसमेंट के दौरान लिखित परीक्षा, इंटरव्यू के द्वारा संस्कृति विवि के आप्टोमैट्री के सात विद्यार्थियों का चयन किया गया है । कंपनी द्वारा चयनित विद्यार्थियों में छात्रा आकांक्षा राय, आकांक्षा चौधरी, प्रियांशु सिंह, आर अमरुथा, ओमप्रकाश, महरीन अख्तर, अनमोल हैं। इन विद्यार्थियों ने तीन चरणों में हुई चयन प्रक्रिया में भाग लिया था। लैंसकार्ट कंपनी की एचआर विभाग चारू ने बताया कि कि कंपनी आई ग्लासेज, किड्स ग्लासेस, सन ग्लासेज, कांटेक्ट लैंस, कंप्यूटर ग्लासेज बनाती है और घर जाकर आई टेस्ट करने की सुविधा भी प्रदान करती है। कंपनी इस क्षेत्र में एक जाना पहचाना नाम है और तेजी से अपने क्षेत्र का प्रसार कर रही है। कंपनी को अपने सभी ग्राहकों के बीच अच्छे उत्पादों के लिए जाना जाता है। कंपनी के एचआर ने जानकारी देते हुए बताया कि संस्कृति विवि के छात्रों ने चयन प्रक्रिया के दौरान अपनी योग्यता का बेहतरीन प्रदर्शन किया है। चयन प्रक्रिया में कंपनी से आए अन्य अधिकारियों में आप्टोमैट्रिस्ट रीजनल मैनेजर मुईन खान,सीनियर एरिया आपरेशनल मैनेजर मोहसिन अहमद, नार्थ बिजनेस हेड मोहित अरोरा, क्लस्टर ओप्टेमैट्रिस्ट श्रेय शामिल थे।

संस्कृति विवि की विशेष कार्याधिकारी श्रीमती मीनाक्षी शर्मा ने इस मौके पर कहा कि विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा प्रदान की जा रही है। यही वजह है कि ये विद्यार्थी कंपनियों की आवश्यकताओं पर खरे उतर रहे हैं सभी चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारे विवि से निकलकर बड़ी–बड़ी कंपनियों में रोजगार पा रहे छात्र–छात्राएं विवि का नाम तो ऊंचा कर ही रहे हैं साथ ही कंपनियों को भी आगे ले जाने में बहुत बड़ा योगदान दे रहे हैं।

संस्कृति विवि के विद्यार्थियों ने जाना ग्लाइडर उड़ाना

मथुरा। संस्कृति स्कूल आफ इंजीनियरिंग और डिप्लोमा के विद्यार्थियों ने एक प्रदर्शन के द्वारा पैरा मोटरिंग(ग्लाइडर) फ्लाइंग रोमांचक अनुभव प्राप्त किया। पैरामोटरिंग फ्लाइंग का यह प्रदर्शन विवि के कैंपस–2 के मैदान में किया गया था। इस प्रदर्शन के दौरान इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों को ग्लाइडर के बारे में और इसको उड़ाने के तरीके के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

संस्कृति स्कूल आफ इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष विनसेंट बालू ने बताया कि शारदा एजूकेशन द्वारा संस्कृति विवि में आयोजित इस प्रदर्शन के दौरान विशेषज्ञ, प्रशिक्षक हर्ष सचान ने पैरा मोटरिंग फ्लाइंग कर इंजीनियरिंग के छात्रों को इस रोमांचक खेल का भौतिक अनुभव कराया। इस दौरान प्रशिक्षक द्वारा ग्लाइडर को कैसे हैंडल किया जाता है, यह कैसे उड़ान भरता है, हवा की दिशा कैसे जानी जाती है और उसका इस उड़ान के दौरान क्या असर होता आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विभागाध्यक्ष बालू सर ने बताया कि विद्यार्थियों को ग्लाइडर उड़ाने का विधिवत प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

संस्कृति विवि में इंजीनियरिंग विभाग के अंतर्गत पढ़ाए जा रहे बी.टेक एअरोस्पेस (चार वर्षीय पाठ्यक्रम) के विद्यार्थियों के लिए यह प्रदर्शन खासी जानकारी देने वाला था। इसके दौरान विद्यार्थियों ने हवाइ उड़ान के बारे में रोचक जानकारी हासिल की और हवा में उड़ान के रोमांच को भी महसूस किया।

संस्कृति विवि के कैंपस टू में पैरा मोटरिंग फ्लाइंग का प्रदर्शन

संस्कृति विश्वविद्यालय में उत्साह के साथ मना 'इंजीनियरिंग डे'

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय के स्कूल आफ इंजीनियरिंग ने उत्साह के साथ 'इंजीनियरिंग डे' मनाया। इस मौके पर विश्वविद्यालय सभागार में आयोजित इस समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व प्रिंसिपल डाइरेक्टर एसएमई(पीपीडीसी)आगरा पन्नीरसेलवम ने विद्यार्थियों को इंजीनियर्स डे की बधाई देते हुए देश की प्रगति में हाथ बंटाने का संदेश दिया।

संस्कृति विवि के कुलपति डा. तन्मय गोस्वामी ने विद्यार्थियों से आह्वान करते हुए कहा कि भारत की प्राचीन सोच के साथ आप ऐसी इंजीनियरिंग करें जो प्रकृति से जुड़ी हो। आपका विजन ऐसा होना चाहिए कि आपके अविष्कार प्रकृति के अनुरूप हों उसको क्षति पहुंचाने वाले न हों। मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ प्रारंभ हुए इस समारोह में डा. तन्मय गोस्वामी ने दुनियाभर के अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि भारत में आदिकाल के दौरान जितने भी अविष्कार हुए वे प्रकृति के अनुकूल हुए। उन्होंने कहा कई बार जब विदेशों में मुझसे पूछा गया कि आप लोग कहते हैं की हमारे यहां पुष्पक विमान तो हजारों साल पहले बना लिया था, वो कहां है, तो मैं उन्हें जवाब देता हूं कि यह सही है कि हमारे पास पुष्पक विमान नहीं है और इसलिए आप कुछ भी कह सकते हैं लेकिन यह तो मानेंगे कि हजारों साल पहले भारत में आकाश में उड़कर दूर जाने की सोच विद्यमान थी। उन्होंने कहा कि एक सोच ही किसी निर्माण को जन्म देती है। संस्कृति विवि के इंजीनिरिंग के विद्यार्थी अपने अंदर ऐसी सोच पैदा करें जो मानवता और प्रकृति के अनुकूल हो।

समारोह के दौरान संस्कृति स्कूल आफ एग्रीकल्चर के डीन डा. रजनीश त्यागी ने विद्यार्थियों का ध्यान एक नई बहस की ओर खींचा। उन्होंने बताया कि अंग्रेजों के समय बने पुल और इमारतें आज भी जीवित हैं और काम आ रहे हैं, ऐसा क्यों होता है कि हाल ही में हुए निर्माण ध्वस्त हो जाते हैं। उन्होंने बताया कि आपकी ईमानदारी आपके कामों का गुणगान करती है। आप देश के ऐसे ईंजीनियर छाटें जिन्होंने अपने काम को ईमानदारी के साथ किया हो और कोशिश करें कि आपका नाम भी कभी उनकी सूची दर्ज हो। उन्होंने कहा कि आज का विद्यार्थी बहुत बुद्धिमान है आज शिक्षक को विद्यार्थियों को पढ़ाने के लिए स्वयं को योग्य बनने के प्रयास करने पड़ते हैं।

संस्कृति विवि में इंजीनियर्स डे पर विद्यार्थियों को संबोधित करते विवि के कुलपति डा. तन्मय गोस्वामी।

समारोह के दौरान वक्ताओं ने बताया कि हर साल देश में 15 सितंबर का दिन इंजीनियर्स डे के तौर पर मनाया जाता है। यह दिन देश के महान इंजीनियर और भारत रत्न से सम्मानित मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया को समर्पित है। एम विश्वेश्वरैया ने राष्ट्र निर्माण में बहुत बड़ा योगदान दिया था आधुनिक भारत के बांधो, जलाशयों और जल विद्युत परियोजनाओं के निर्माण में अहम भूमिका निभाई थी। सरकार ने साल 1955 में इन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया था। यह दिन देश के उन सभी इंजीनियरों की मेहनत और लगन को सलाम करने का दिन है जो देश के विकास में अपना योगदान दे रहे हैं। इस मौके पर स्कूल आफ इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया। समारोह का कुशल संचालन इंजीनियरिंग की छात्राओं निधि गोस्वामी, अंशिका चाहर ने किया। अंत में स्कूल आफ इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष विंसेंट बालू ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

संस्कृति विवि में हवन-पूजन के साथ नए सत्र का शुभारंभ

संस्कृति विवि के डी ब्लाक में नवीन सत्र का हवन–पूजन के साथ शुभारंभ करते संस्कृति विवि के चांसलर सचिन गुप्ता साथ में विवि के कुलपति डा. तन्मय गोस्वामी।

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय में नए सत्र का शुभारंभ हवन–पूजन के साथ संपन्न हुआ। नए सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के शिक्षण का कार्य सात सितंबर से शुरू हो जाएगा। इस मौके पर विवि के चांसलर ने विद्यार्थियों को संदेश जारी करते हुए कहा कि वे सतत परिश्रम और लगन के साथ अपने चुने हुए विषयों में विद्याध्ययन कर अपने सपनों को साकार करें।

चांसलर सचिन गुप्ता ने अपने संदेश में विद्यार्थियों को अगाह करते हुए कहा है कि वैसे तो सभी के लिए अनुशासित जीवन का बड़ा महत्व होता है लेकिन विद्यार्थियों के लिए अनुशासित जीवन ही उनके भविष्य की राह तैयार करता है। संस्कृति विवि विद्यार्थियों के लिए विश्व स्तरीय सभी सुविधाएं और आवश्यक सभी तरह के पाठ्यक्रमों के लिए सहायक विशेष ज्ञान और कौशल हासिल करने के अवसर प्रदान करता आ रहा है। देश और विदेश की उच्च शिक्षण संस्थाओं से हाथ मिलाकर उपयोगी प्रशिक्षण, शिक्षण और अन्वेषण के मौके विद्यार्थियों को मिलेंगे, जिनका लाभ उठाकर विद्यार्थी विशेष दक्षता हासिल करने में कामयाब होंगे, ऐसा विवि प्रशासन का मानना है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे ऐसा ज्ञान हासिल करें ताकि उद्यमी बन सकें। उद्यमी बनकर वे बहुत सारे लोगों को रोजगार भी दे सकेंगे और 'आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण में उनका योगदान भी होगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति डा. तन्मय गोस्वामी ने शिक्षकों से अपेक्षा करते हुए कहा कि विद्यार्थी देश का भविष्य हैं और इनको ज्ञानवान बनाने की जिम्मेदारी आपकी है। इसीलिए कहा जाता है कि किसी भी देश की तरक्की में शिक्षक का बड़ा योगदान होता है। आप अपनी इस जिम्मेदारी पर खरे उतरेंगे ऐसा विवि प्रशासन का मानना है। उन्होंने कहा ओरियंटेशन प्रोग्राम के बाद शिक्षण कार्य प्रारंभ हो जाएगा, शिक्षक यदि अपना शत–प्रतिशत देंगे तो विद्यार्थियों की कक्षाओं में उपस्थिति भी अच्छी होगी।